RAJYA SABHA

Wednesday, the 16th May, 2007/26 Vaisakha, 1929 (Saka)

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

MATTER RAISED WITH PERMISSION OF CHAIR

Re: Demand for strict action Against the Person Reportedly Imitating Guru Gobind Singh

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): सर, आज पंजाब में जो कुछ हो रहा है ...(**व्यवधान**) राम-रहीम और खुदा कहने वाला जिस तरह से ...(**व्यवधान**) रूप धारण करके ...(**व्यवधान**) यह बर्दाश्त नहीं होगा...(**व्यवधान**)।

SHRI TARLOCHAN SINGH (Haryana): Sir, I have given notice. *(Interruptions).*

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I have also given a notice. This is about derogatory remarks made by the Prime Minister against my leader. *(Interruptions)* This is unwarranted, Sir, *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Shri Tarlochan Singh.

SHRI DEBABRATA BISWAS (West Bengal): Sir, let us have division to find out who is for or against the House. *(Interruptions).*

SHRI PENUMALLI MADHU (Andhra Pradesh): Sir, there are people who disturb the House. We want the House to run. *(Interruptions)*

श्री तरलोचन सिंह: सर, मैं आपके माध्यम से एक बहुत गंभीर इश्यू सारे हाउस के सामने रखना चाहता हूं। सर, भारत में सिख कौम 2: माइनॉरिटी में है और जब से गुरु नानक देव जी ने सिख धर्म की बुनियाद रखी, यह रिलिजियस माइनॉरिटी अपने 500 वर्ष पूर्ण कर चुकी है। हम सारी दुनिया में अमन चाहने वाले लोग हैं। गुरु नानक देव जी के बाद गुरु गोबिन्द सिंह जी, जिन्होंने खालसा धर्म धारण करवाया, जिन्होंने अपने पिता की कुर्बानी दी, अपने चार पुत्रों को देश के लिए कुर्बान कर दिया, लेकिन आज मुझे यहां पर शर्म के साथ कहना पड़ रहा है कि इसी देश में एक

व्यक्ति ने कल ओर परसों गुरु गोबिन्द सिंह जी को इमीटेट किया। इतना ही नहीं, अमृत, जो कि स्पिरिट है, जिस स्पिरिट से इस देश की अखंडता को बचाने के लिए लाखों सिखों ने कुर्बानी दी, उसे रिडिकूल किया और परसों भटिंडा में एक नया अमृत बनाने का जुर्म किया गया है, जिससे सारे देश ही नहीं, सारी दुनिया के सिखों की फीलिंग्स को हर्ट किया गया है।

यहां पर मैं कोई पॉलिटिकल स्पीच नहीं देना चाहता हूं, लेकिन मैं सारे हाउस के सामने यह कहना चाहता हूं कि हर रोज़ यहां पर माइनॉरिटी के नाम पर बहुत सी चीजें की जाती हैं, लेकिन जो वास्तविक माइनॉरिटी है, जिसने अपनी सारी उम्र देश के लिए कुर्बान कर दी, आज उसकी आइडेंटिटी पर, उसकी रिलिजियस फीलिंग पर हमला हुआ है। मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि इसी तरह एक बार पहले 1978 में अमृतसर में गुरु नानक देव जी को इमीटेट किया गया था, उस समय अ[illegible] सिख शहीद हुए और उसी के कारण पंजाब में इतना बड़ा क्राइसिस हुआ। 1978 का वह इन्सिडेंट [illegible] इसकी बुनियाद था, उसी में भिंडरावाला पैदा हुआ और सारा पंजाब खून से नहा उठा था, उसकी बुनियाद 1978 में गुरु नानक देव जी को इमीटेट करने पर ही डली थी।

आज मैं आपके माध्यम से यह वार्निंग देना चाहता हूं कि सिखों को सिटिंग डक न समझा जाए। सिख अपनी ग़ैरत और आन के लिए मरने को भी तैयार है। सिख जानता है कि उसने अपने देश के लिए क्या-क्या किया है, हमने ही जलियांवाला बाग के लिए जनरल डायर को इंग्लैंड में जाकर मारा था। सिख हर वक्त देश की आन के लिए जीता है, यहां पर होम मिनिस्टर भी बैठे हुए हैं, सिखों पर आज जो हमला हुआ है, इसके लिए मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि ऐसे शख्स को आज ही गिरफ्तार करके डिटेन किया जाए। वह व्यक्ति जो अपने आपको सच्चा सौदा या गुरु गोबिन्द सिंह बना रहा है, उसे जब तक आप एरेस्ट नहीं करेंगे तब तक यह देश शान्त नहीं होगा और इसकी सारी जिम्मेवारी भारत सरकार के ही ऊपर होगी।

अगर आप देश में अमन और शान्ति चाहते हैं, अगर आप चाहते हैं कि उत्तर भारत दोबारा बर्न न करे, क्योंकि सिख आज सारी दुनिया में डिमोन्स्ट्रेट कर रहे हैं, कल गंगा नगर में, मेरठ में, जम्मू में इस प्रकार खबरें आई हैं। वह जो रिलिजियस डेरा है, उसके लोगों ने भटिंडा में पुलिस पर हमला किया और सभी टीवी चैनल्स ने यह दिखाया। वहां पर कौन हमला कर रहा था? उस डेरे के 5000 सेवक जो अपने आप को प्रेमी कहते हैं, वे हथियारों से लैस हो कर आए और उन्होंने सर्किट हाउस जला दिया, पुलिस की सभी गाड़ियां जला दीं। किसकी शह पर यह सब हुआ? उसके पीछे कौन सी पॉलिटिकल पार्टी है? वह क्यों यह करना चाहती है और मुझे एक बड़ी हैरानगी है कि जब भी पंजाब में अकाली पार्टी की सरकार आती है उसी वक्त ये इश्यू शुरू हो जाते हैं। यह नहीं समझ आई कि Why does a political party want to take Punjab back to that position जहां कि पंजाब बर्न हो। अकेला पंजाब बर्न नहीं होता उससे इंडिया का पीस बिगड़ता है। जिस शख्स ने आज यह इमिटेट किया है उसके खिलाफ सी॰बी॰आई॰ में मर्डर का केस दर्ज है, उसके खिलाफ

और कई घटिया से घटिया क्राइम जो उसने किये हैं वे केस सी॰बी॰आई॰ में तीन साल से पैंडिंग पड़े हैं और सी॰बी॰आई॰ भी चुप बैठी है। उसने एक जर्नलिस्ट को मरवाया, उस पर एक लड़की के मर्डर का केस है और वह शख्स आज सारी सिख कौम को चैलेंज कर रहा है। सर, मैं आपके सामने सारे हाउस के मेम्बर्स के सामने अपील करना चाहता हूं कि आज हमारे साथ खड़े हों और इसको आज ही रोको और रोक कर आज शाम तक गवर्नमेंट ऑफ इंडिया In the name of peace, हम रोज कहते हैं कि फलां स्टेट में यह हो गया, यह बहुत बड़ा इश्यू है इसको लाइटली न लिया जाए, ऐसे शख्स को आज अरेस्ट करके जेल में भेजें और सारा देश, सारा हाउस इसको कंडेम करे। इससे हमारे हृदय को शांति होगी और हम अपने आपको हिन्दुस्तान के शहरी होते हुए आपके माध्यम से लोगों को फिर अपील करते हैं कि यह सिखों के धार्मिक ज़जबे का केस है, इसको हम पौलिटिकलाइज नहीं करना चाहते, यह रिलिजियस फीलिंग हर्ट हुई है। एक कार्टून छपा था एक प्रोफेट के बारे में, सारी दुनिया में लोग उठे थे हम भी उठकर आपके हक में थे, तो आज हमारे मुर्शिद का, हमारे फाउंडर का जो मजाक किया गया है, हम आपसे अपील करते हैं कि आज सारा हाउस यूनेनिमसली उस शख्स को अरेस्ट कराने के लिए और इसके बारे में सिखों के साथ खड़े होने की बात करे। मैं यही कहकर आपके माध्यम से सारे हाउस से माफी मांगता हूं कि मैंने क्वेश्चन ऑवर के टाइम में इस इश्यू को उठाया, लेकिन यह इश्यू इतना बड़ा है कि उसके बारे में कहने के लिए मैं मजबूर हुआ। थैंक्यू सर।

SHRI VIRENDRA BHATIA (Uttar Pradesh): We support him.

SHRI DINESH TRIVEDI (West Bengal): Sir, we all support him. ...*(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड) : सारा सदन इनके साथ है।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सभापति महोदय, सरदार तरलोचन सिंह जी ने जो आवाज उठाई है, उसके साथ मैं अपने आपको सम्बद्ध करते हुए बताना चाहता हूं कि सिख समाज ने ... (व्यवधान)

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार) : सर, उन्होंने तो अपनी बात रख दी। ...(व्यवधान)

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, बात तो सुन लीजिए। ...(व्यवधान) संत समाज ने अकाल तख्त से अपील की और संत समाज की अपील पर यह जो ढोंगी संत हैं, जिसके नाम पर सी॰ बी॰ आई॰ केस हैं, रेप के केस हैं, डकैती के केस हैं, एक्सटोर्शन के केस हैं, मर्डर के केस हैं और जिसके केस अभी पिछले इलेक्शनों में दबाए गए, उस ढोंगी संत को आज बंद करने के लिए, पूरे संत समाज ने, अकाल तख्त को जब अर्जी दी तो उन्होंने 17 तारीख को सिखों के पांचवें तख्त तलवंडी साबो में, दमदमा साहब में पूरे विश्व के सिखों की जत्थेबंदियों की एक मीटिंग बुलाई है और यह

मीटिंग एक आग का रूप धारण कर सकती है। यही ढोंगी संत हैं जिनके बारे में इलेक्शन कमीशन में भी केस पैंडिंग है। अभी पिछले पंजाब के विधान सभा के चुनावों में* ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: इसको हटा दीजिए। ...(**व्यवधान**)

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): Sir, let us start the Question Hour.

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर यह इश्यू पौलिटिकलाइज कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Sir, let the Government respond to it. ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: कर दिया, मैंने कर दिया। ...(**व्यवधान**) कर दिया, कर दिया। ...(**व्यवधान**)

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, अगर आप चर्चा कराना चाहते हैं तो इसके बारे में डेट फिक्स कर दीजिए। ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: मैंने वह कर दिया। ...(**व्यवधान**) अब हो गया, बहुत हो गया। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सभापति महोदय, आपके माध्यम से मेरी अपील है कि एक बार हज़रत बल में मोहम्मद साहब के एक बाल को लेकर इतना बड़ा हंगामा हुआ था, यह सिखों के साथ में धक्का बर्दाश्त नहीं होगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आपकी बात हो गयी। अब आप उनको बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: यह बर्दाश्त नहीं होगा। ...(**व्यवधान**)... यह बर्दाश्त नहीं होगा ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापति: आपने बोल लिया। Please take your seat. ...(*Interruptions*)... You have been allowed. ...(*Interruptions*)... Please take your seat. आपने बोल लिया। ठीक है। अब आप बोलिए।

डा॰ फारूक अब्दुल्ला (जम्मू और कश्मीर): सभापति महोदय, मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि भारत जो तरक्की कर रहा है, उस भारत की तरक्की में जब धर्म का प्रयोग किया जाता है, वह हमारी तरक्की को पीछे कर देता है और आज जो पंजाब में हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... उसके पीछे कौन लोग हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप भी बोल लेना। ...(**व्यवधान**)... आपने इनको बोलने दीजिए। आप क्यों खड़े हो रहे हो? ...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

डा॰ फारूक अब्दुल्ला: सर, मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि इस हाउस को अपील करनी चाहिए धर्म के बड़े-बड़े आदमियों को चाहे वह मुसलमान हो, हिन्दु हो, सिख हो, जिस भी धर्म के हैं। ..(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश): बिल्कुल सही बात है। ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: بالکل صحیح بات ہے۔ مداخلت۔

डा॰ फारूक अब्दुल्ला: उनसे कहना चाहिए कि धर्म को इस्तेमाल करो इन्सान की बेहतरी के लिए, न कि उसकी बर्बादी के लिए। ...(**व्यवधान**)... अगर गाड़ियां जलती हैं, तो वे सरकार की गाड़िया नहीं हैं, वह लोगों के खून का पैसा है जो उन गाड़ियों में लगा हुआ है। अगर हमने इसी तरह से भारत को जलाना है, तो फिर हम लोग यहां गलत लोग बैठे हुए हैं। सर, इसलिए मैं आपसे अपील करता हूं कि मेहरबानी करके आप अपनी तरफ से, आप भारत के बहुत महान आदमी हैं, आप अपील करें कि साहब यह दंगे-फसाद बंद करो, तभी हम कुछ आगे बढ़ सकते हैं, नहीं तो हमारी सारी शक्ति बजाय इसके कि हम दुश्मन के खिलाफ इस्तेमाल करें, वह सारी शक्ति ज़ाया हो जाती है, अपने लोगों को रुकाने के लिए। इसलिए मैं आप सब से अपील करूंगा, इधर लोगों से भी और उधर के लोगों से भी अपील करूंगा। ...(**व्यवधान**)... मेहरबानी करके इसको बंद करिए, इस ढोंग को बंद करिए। मैं मानता हूं और इसमें कोई शक नहीं है कि जब इलेक्शन आते हैं, लोग धर्म का प्रयोग करते हैं, कोई फतवा जारी करवाता है, कोई कुछ जारी करवाता है और मुल्क को पीछे ले जाता है। ...(**व्यवधान**)... इसके बजाय कि मुल्क आगे जाये और पीछे चला जाता है। I am telling frankly. If you want me to mention the names, I will mention the names here. But I do not want to do that. ...(*Interruptions*)...It is better that we understand that either India progresses or we all go down with it. And nobody will forgive us for sitting in this House that we had been party to such episodes, which are destroying our nation.

श्री महेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): सर, हम सब लोग इनका समर्थन करते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, इसकी सीबीआई जांच हो। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप सुन लीजिए। आप होम मिनिस्टर साहब को सुन लीजिए। Please take your seat.

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी॰ पाटिल): सभापति महोदय, जो सम्माननीय सदस्यों ने अपनी भावना यहां व्यक्त की है देश की एकता के लिए सारे धर्मों के प्रति आदर बताने के संबंध में और सारे लोगों को साथ में लेकर चलने के संबंध में, यह ऐसी भावना है जिसका हम भी यहां पर आदर करेंगे, देश के लोग भी आदर करेंगे और ऐसी व्यक्त करने के लिए मैं सारे सदस्यों का पहले शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। जो भी वहां पर हो रहा है, उससे देश की एकता को और अपने देश

की प्रगति में बाधा जरूर आ सकती है, वह नहीं होना चाहिए। सिख धर्म के गुरु गोबिंद सिंह जी के संबंध में कोई भी चीज, किसी की भी तरफ से नहीं होनी चाहिए, जिसकी वजह से किसी की भावना को चोट पहुंचे, यह सबको देखना बहुत ही जरूरी है। हम आशा करते हैं कि इसी दृष्टि से सब लोग करेंगे। मेरी वहां की जो सरकारें हैं, जो मुख्य मंत्री हैं, उनसे बातचीत हुई है और उन्होंने भी यही भावना व्यक्त की है और हमने भी उनको यही भावना बताई है। हमने कहा है कि सही ढंग से समझाने के लिए और दूसरे तरीके से भी इस बात को कंट्रोल करने के लिए, जो भी सरकारें वहां की करेंगी, उसमें हमारा सहभाग रहेगा, सदन का सहभाग रहेगा और सबका सहभाग रहेगा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैं सारे लोगों से, बाहर के लोगों से अपील करता हूं — आप सबने यहां पर यही भावना व्यक्त की है — कि कोई चीज़ हमसे ऐसी न हो, किसी की तरफ से भी ऐसी न हो, जिसकी वजह से देश की एकता को नुकसान पहुंचे और सब में धार्मिक आदर की भावना, सब धर्मों के सामने आदर की भावना हो। सिख धर्म तो बहुत माना हुआ धर्म है, दुनिया में माना हुआ धर्म है, अपने देश में माना हुआ धर्म है। हिन्दु, मुसलमान, सिख, इसाई —सबको मिलकर यहां पर रहना है। उसी भावना को आगे बढ़ाने के लिए हम यहां से अपील करते हैं।

श्री तरलोचन सिंह: सर, यह अपील का काम नहीं है, एक्शन क्या ले रहे हैं?...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: एक्शन लेने की बात कर रहे हैं। एक्शन का उन्होंने बताया है कि वहां की सरकार से संपर्क में हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री तरलोचन सिंह: सर, ऐसा रिप्लाई हमें नही चाहिए। सरकार इस संबंध में ...(**व्यवधान**)... या सिख अपना फैसला आप करें और सिखों में शक्ति है कि वे अपना फैसला आप कर सकते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान): कैसे कर सकते हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री तरलोचन सिंह: क्यों नहीं कर सकते? आपकी तरह ...(**व्यवधान**)... नहीं बैठे। होम मिनिस्टर ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री तरलोचन सिंह: इसमें हमें कोई सेटिसफेक्शन नहीं है। सिर्फ अपील से क्या होगा? ...(**व्यवधान**)... पहले हमारे सेंटीमेंट्स को हर्ट कर दो, बाद में अपील कर दो। ...(**व्यवधान**)... उससे क्या होगा?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI): Let the Home Minister speak. He is only increasing provocation.

श्री तरलोचन सिंह: जब एक सच्चा सौदा डेरा ...(व्यवधान)... अरेस्ट नहीं होते, तब तक ...(व्यवधान)...

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: श्रीमान्, मैं बड़े आदर से कहना चाहता हूं कि इस संबंध में वहां की चुनी हुई जो सरकार है, जो वहां के मुख्य मंत्री हैं, उनसे मेरी बातचीत हुई है और उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे जरूरी कदम उठाएंगे। हमने कहा है कि इस संबंध में जो भी यहां से मदद की आवश्यकता है, वह दी जा सकती है और वह हम देंगे। लेकिन उनके होते हुए उनको हटाकर वहां पर कुछ करना, मैं समझता हूं कि आप भी उसको कबूल नहीं करेंगे और सदन भी कबूल नहीं करेगा।...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: वह हरियाणा का रहने वाला है। हरियाणा के सिरसा का रहने वाला है।...(व्यवधान)... यह घटना भटिंडा में घटी है। उसके ऊपर जितने केस हैं, सारे हरियाणा में हैं। हरियाणा में आपकी सरकार है, उसका डेरा सच्चा सौदा हरियाणा में है, सिरसा में है और हरियाणा में चीफ मिनिस्टर को...(व्यवधान)...

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: मैंने कहा कि एक चीफ मिनिस्टर को नहीं, सभी संबंधित चीफ मिनिस्टर्स को कहा है। मैं एक की बात नहीं कर रहा हूं, सभी की कर रहा हूं।...(व्यवधान)...

श्री तरलोचन सिंह: वह हरियाणा में रहता है। वहां पर उनकी सरकार है। यह क्या हुआ? पंजाब के चीफ मिनिस्टर कुछ नहीं ...(व्यवधान)... हरियाणा के मुख्य मंत्री को आप डायरेक्शंस दें। ...(व्यवधान)...

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: मैंने बात की है।...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: पंजाब सरकार को उसके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए हरियाणा सरकार की मदद चाहिए। केन्द्र सरकार हरियाणा सरकार को निर्देश दे कि उसको गिरफ्तार किया जाए।...(व्यवधान)...

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: जिसको भी निर्देश देना है, उनको निर्देश भी देंगे और मदद भी करेंगे।

श्री सभापति: बस ठीक है, अब हो गया। ...(व्यवधान)... अब काफी है, अब बहुत है। ...(व्यवधान)...

श्री तरलोचन सिंह: सर, मैं आपका धन्यवाद देते हुए फिर से कहना चाहता हूं कि ...(व्यवधान)...

श्री दिनेश त्रिवेदी: सभी धर्मों को एक निगाह से देखना चाहिए। जब हिन्दु धर्म पर होता है, उसको भी एक ही निगाह से देखना चाहिए।...(व्यवधान)...हम सब इनसे सहमत...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप छोड़िए।...(**व्यवधान**)... सहमति इसी में है।...(**व्यवधान**)...

श्री तरलोचन सिंह: मैं आपका धन्यवाद देते हुए एक बार फिर से कहना चाहता हूं कि इसको लाइट्ली न लो।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: नहीं ले रहे हैं।

श्री तरलोचन सिंह: सिख कौम बहुत सेंटीमेंटल है। यह बड़ा रिलीजियस ईशू है, इसको हम पॉलिटिकलाइज़ नहीं करना चाहते लेकिन इसकी इम्पोर्टेंस समझते हुए the Home Minister should issue orders कि उसको आज अरेस्ट करो और अगर नहीं करोगे तो ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: होम मिनिस्टर ने इतना आश्वासन दे दिया, और क्या देंगे?

श्री तरलोचन सिंह: यह इतना बड़ा ईशू बनेगा, जिसकी जिम्मेदारी आपके सर होगा और हम लोग कहेंगे कि सेंट्रल गवर्नमेंट उस वक्त हमारे साथ खड़ा होने में फेल हुई।

MR. CHAIRMAN: Question Hour. Question No. 581.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, I have given a notice. This is also related to the same thing. This is related to the sentiments of the Telugu people.

MR. CHAIRMAN: No, no, I will not allow. Please don't disturb everybody.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, the Prime Minister has intentionally insulted the Telugu people.

MR. CHAIRMAN: You are disturbing the House for the last four days.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, I have given a notice. Sir, I am not disturbing.

MR. CHAIRMAN: There was no notice given to me. There was no notice given to me. Please don't disturb. You come to my Chamber. What is your problem?

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, I am speaking with pain. Sir, ...(*Interruptions*)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): How can he accuse my leader? (*Interruptions*)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: The Prime Minister said that we are politicising the issue. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: What is the matter? (*Interruptions*) Nothing will go on record. Please come to my Chamber...(*Interruptions*)...I will not allow you...(*Interruptions*)...There is no notice with me ...(*Interruptions*)... Please take your seat...(*Interruptions*)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:*

MR. CHAIRMAN: The notice has been received after 10 o'clock ...(*Interruptions*)...I will not allow...(*Interruptions*)...I have understood your problem...(*Interruptions*)...

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Andhra Pradesh):*

SHRI NANDI YELLAIAH (Andhra Pradesh):*

SHRI C. RAMACHANDRAIAH:*

MR. CHAIRMAN: I will not allow. Please take your seat...(*Interruptions*)...Your notice has been received at 10.05 A.M., not at 10 o'clock. I will not allow you...(*Interruptions*)...Nothing is going on record.

SHRI K. KESHAVA RAO (Andhra Pradesh):*

MR. CHAIRMAN: I will not allow you...(*Interruptions*)...Nothing is going on record...(*Interruptions*)...Nothing will go on record...(*Interruptions*)... Why are you speaking when not a single word is going on record?....(*Interruptions*)...Now, you have done your job...(*Interruptions*)... Please take your seat ...(*Interruptions*)... I will not permit you during the Question Hour...(*Interruptions*)...After the Question Hour, you come to my Chamber and tell me what is the problem...(*Interruptions*)...

SHRI GIREESH KUMAR SANGHI (Andhra Pradesh):*

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record ...(*Interruptions*)... Why are you wasting the time of the House? I will not allow you ...(*Interruptions*)... You please take your seat ...(*Interruptions*)... You come to my Chamber ...(*Interruptions*)... I will not allow you ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record ...(*Interruptions*)... If you have any grievance please come to my office ...(*Interruptions*)... No, I can't assure at this moment ...(*Interruptions*)... Please come to my office; I will see your papers and take a decision accordingly ...(*Interruptions*)... I won't allow ...(*Interruptions*)... Why are

*Not recorded

you speaking when nothing is going on record? ...(*Interruptions*)... He is your good Minister ...(*Interruptions*)... Please take you seat. You have spoken too much without my permission ...(*Interruptions*)... I have never permitted you ...(*Interruptions*)... Please take you seat ...(*Interruptions*)... There can be no condition ...(*Interruptions*)... I will not accept any condition ...(*Interruptions*)... Please come to my office ...(*Interruptions*)... कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)... Please take you seat ...(*Interruptions*)... I will not allow ...(*Interruptions*)... Let the Question Hour be over first, then, come to my office ...(*Interruptions*)... No, I will not allow ...(*Interruptions*)...

आप हाउस में आ जाइए, उसके बाद बात करेंगे। ...(**व्यवधान**)... मैं आपकी कंडिशनल बात मंजूर नहीं करता हूं आप मेरे हाउस में आ जाइए और मुझे बता दीजिए कि मामला क्या है, मैं उसको सुन लूंगा तो आपको एलाउ कर दूंगा। ...(**व्यवधान**)... क्वेश्चन ऑवर में एलाउ नहीं करूंगा।

Let us take up Question Hour.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

सीमाओं से घुसपैठ की घटनाएं

*581. **डा॰ प्रभा ठाकुर:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के विभिन्न राज्यों में विदेशी घुसपैठियों द्वारा सीमापार से घुसपैठ करने के मामलों में गिरावट आई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश की कौन-सी सीमा घुसपैठ के लिए सर्वाधिक सुभेद्य है और उसके क्या कारण हैं; और

(घ) घुसपैठ को रोकने के लिए सरकार द्वारा किये गये उपायों का ब्यौरा क्या है?

गृह मंत्री (श्री शिवराज वि॰ पाटिल): (क) से (घ) इस संबंध में एक विवरण सदन के पटल पर रखा जा रहा है।